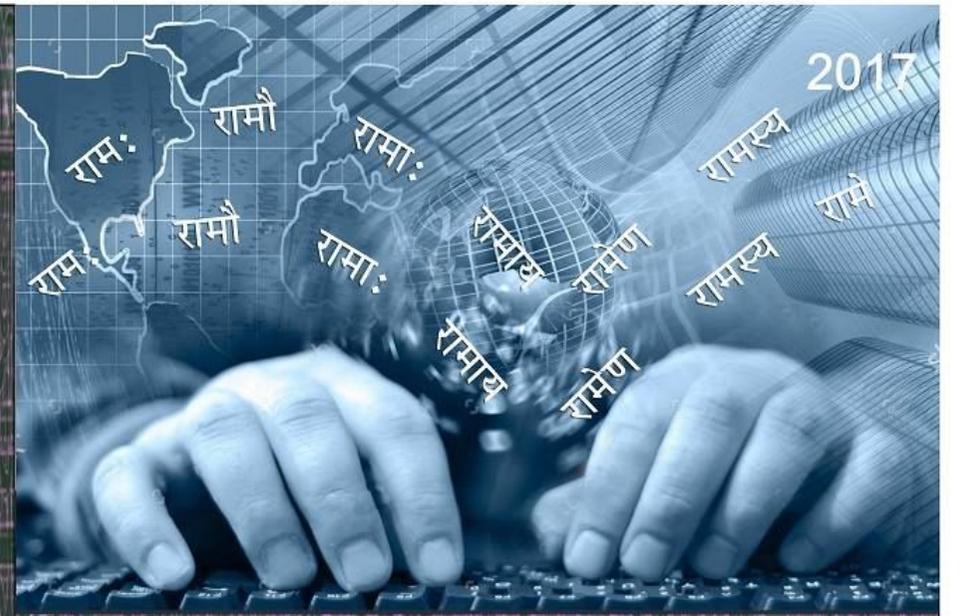


इसकी प्रेरणा दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.ए. लघुसिद्धान्तकौमुदी की क्लास के दौरान छात्रों द्वारा उठाई गई समस्याओं से मिली। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिये इस प्रकार की पुस्तक लिखने का निर्णय लिया गया। संस्कृत विषय भारत के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में बीए, एमए, एमफिल एवं पीएचडी के रूप में शामिल है। संस्कृत विषय में कम से कम एक प्रश्नपत्र लघुसिद्धान्तकौमुदी पर आधारित अवश्य होता है। सुबन्त प्रक्रिया प्रायः एम.ए. स्तर के पाठ्यक्रम में शामिल होती है। यह पुस्तक उन सभी छात्रों, जिज्ञासुओं तथा शोध कर्ताओं के लिये है, जो सुबन्त रूप की पूरी प्रक्रिया ससूत्र पढ़ना चाहते हैं। इसमें लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार ससूत्र सुबन्त रूपसिद्धि छः अध्यायों में दर्शायी गयी है। सभी रूपसिद्धियां पाणिनि सूत्रों के साथ दी गई है। जिससे व्याकरण में प्रवेश करने वालों विशेषरूप से विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को सुबन्त सीखने में काफी सहायता मिलेगी। इसकी भाषा बहुत ही आसान एवं ग्राह्य है। अतः यह पुस्तक इन सभी विद्यार्थियों के लिये बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी।



डॉ. सुभाष चन्द्र दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संगणकीय भाषाविज्ञान के सहायक आचार्य हैं। आप 2007 से प्रगत संगणन विकास केन्द्र (Centre for Development of Advanced Computing), कोलकाता में तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। आपका मुख्य शोधक्षेत्र संगणकीयभाषाविज्ञान, मशीनी अनुवाद, संस्कृत शास्त्र में उल्लिखित विज्ञान एवं तकनीक, आयुर्वेद आदि है। इन्ही क्षेत्र में इनके अत्यंत बहुत सारे प्रकाशन भी हैं। इनके विषय में और अधिक <http://sanskrit.du.ac.in/faculty/subhash.html> पर देखा जा सकता है।

2017 लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूप सिद्धि प्रक्रिया



लघुसिद्धान्तकौमुदी आधारित कम्प्यूटरकृत सुबन्तरूपसिद्धि प्रक्रिया

सुभाष चन्द्र
भूपेन्द्र कुमार
विवेक कुमार
साक्षी

ISBN 978-93-85539-53-4



9789385539534



विद्यानिधि प्रकाशन
दिल्ली

